अर्धवार्षिक परीक्षा, 2017

हिन्दी

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - आठवीं | पूर्णांक - 80

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 23.9.2017 (शनिवार)

निर्देश -

- **निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**
- **प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।**
- **यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः लिखें ।**
- **स्पष्टता एवं स्वच्छता का ध्यान रखें ।**

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उसके विरूद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेज़ी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि ''कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।''

विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जार्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

क) ज्ञानी-अनुभवी लोगों ने जीवन को क्या बताया है ? **(1)**

ख) मनुष्य के शत्रु कौन हैं ? **(1)**

ग) यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने क्या कहा है ? **(2)**

घ) विश्व के समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त से क्या शिक्षा मिलती है ? **(2)**

ड.) व्यक्ति के जीवन में सफलता का मार्ग कौन प्रशस्त करता है ? **(2)**

प्र.2 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

हर गली
हर मोड़ पर
निज फन उठाए
जी रहे हैं सर्प जहरीले
डस रहे हैं राहगीरों को
और खुद भी पड़ रहे नीले ।

किंतु उनको देख हम पाते नहीं
ढूँढ़ कर आगे इन्हें लाते नहीं
इस समस्या पर न कोई
गौर करता है
बोलता कुछ और है तो
और करता है।
इसलिए अब
कर्णधारों से हमारी माँग है
चाहिए हम को चिकित्सक
दो तरह के
एक वे जो
सर्पगण का ज़हर फूँकें
और उनको सभ्य कर दें।
दूसरे
जो राहगीरों को बचा दे मौत से
नीले न पड़ने दें उन्हें।
आदमी तो सभ्य होते हैं
सर्प भी यदि सभ्य बन जाएँ
तो धरा पर देश हर
खुशहाल हो जाए
हाँ, खुशहाल हो जाए ।

क) इस कविता में सर्प किसका प्रतीक है ? **(1)**

अ) मौत के सौदागर ब) लुटेरे स) आतंकवादी द) पहरेदार

ख) हमारा चरित्र किस प्रकार का हो गया है ? **(1)**

अ) अनदेखा करने का ब) समस्या का हल ढूँढ़ने का

स) कथनी-करनी में अंतर वाला द) सभ्य तरीके का

ग) 'चिकित्सक' में किस प्रत्यय का प्रयोग है ? **(1)**

अ) सक ब) अक स) क द) त्सक

घ) कवि की देश के कर्णधारों से क्या माँग है ? **(2)**

ड.) देश कब खुशहाल बन सकेगा ? **(2)**

खण्ड - ख

प्र.3 निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम बताइए - **(½×4=2)**

अ) विमल वाणी ने वीणा ली ।

ब) तीन बेर खाती थी वो तीर बेर खाती है।

स) नील गगन-सा शांत हृदय हो रहा था ।

द) हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग ।
लंका सारी जल गई, गए निसाचर भाग ।

ख) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व उपसर्ग अलग-अलग कीजिए - **(½×4=2)**

संपूर्ण, अधोगति, खुशहाल, पुनर्जन्म

ग) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्द व प्रत्यय छाँटकर अलग-अलग लिखिए - **(½×4=2)**

सामाजिक, बुढ़ापा, नारीत्व, लालिमा

घ) निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए समस्तपद लिखकर समास का नाम भी लिखिए - **(½×4=2)**

अ) तीन रंगों का समाहार

ब) कायदे के साथ

स) भला है जो मानस

द) गज है आनन जिसका (गणेश)

ड.) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए - **(½×2=1)**

अ) वाक्य ..... के सार्थक मेल से बनते हैं।

ब) उद्देश्य के साथ विशेषण जुड़ने पर वह उद्देश्य ..... कहलाता है।

च) निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय को रेखांकित कीजिए - **(½×2=1)**

अ) मेरा भाई राहुल बहुत परिश्रमी है।

ब) जया अपनी सखियों के साथ मेला देखने गई।

प्र.4 निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) निम्नलिखित पर्यायवाची शब्दों के लिए उचित शब्द लिखिए - **(½×4=2)**

अ) पाहन, अश्म, प्रस्तर .....

ब) दक्ष, चालाक, कुशल .....

स) रश्मि, अंशु, मरीचि .....

द) तट, कूल, कगार .....

ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए - **(1×2=2)**

अ) अवकाश ब) उपचार

ग) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य इस प्रकार बनाइए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ - **(½×4=2)**

अ) अमूल्य, बहुमूल्य ब) अनुरोध, प्रार्थना

खण्ड - ग

प्र.5 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए-

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे कुछ भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून से बड़ी चीज़ है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है। दूसरे की पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है। समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, वह यही साबित करता है कि हम ऐसी चीज़ों को गलत समझते हैं और समाज में उन तत्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं।

क) भीतर-भीतर भारतवर्ष के लोग अब भी क्या अनुभव करते हैं ? **(2)**

ख) समाचार-पत्रों में भ्रष्टाचार के प्रति आक्रोश प्रकट करना क्या सिद्ध करता है ? **(2)**

ग) शब्दों के अर्थ लिखिए - (अ) धर्मभीरू (ब) त्रुटियाँ **(1)**

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×5=10)**

क) बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी ?

ख) ''ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।'' लेखक को ऐसा क्यों लगा ?

ग) जीवन मूल्यों के आधार पर बताइए कि अपने स्वजनों तथा इष्ट-मित्रों की बात न मानना कहाँ तक उचित है ? 'बस की यात्रा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

घ) पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश क्यों नहीं दे सकता ?

ड.) पत्र लेखन की कला के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास हुए ? लिखिए ।

प्र.7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

पक्षी और बादल

ये भगवान के डाकिए हैं,

जो एक महादेश से

दूसरे महादेश को जाते हैं।

हम तो समझ नहीं पाते हैं

मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ

पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

क) कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों कहा है। **(2)**

ख) पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन-कौन पढ़ पाते हैं ? सोचकर लिखिए । **(2)**

ग) अर्थ बताइए - अ) बाँचते ब) महादेश **(1)**

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×5=10)**

क) कवि 'निराला' को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा ?

ख) 'ध्वनि' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

ग) 'दीवानों की हस्ती' कविता में कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है ?

घ) 'दीवानों की हस्ती' कविता से कवि की किस भावना का पता चलता है ?

ड.) क्या मान और अपमान से मुक्त हो पाना संभव है ? इस विषय में आपके क्या विचार हैं ? कारण सहित लिखिए ।

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×2=4)**

क) अहमदनगर किले का ऐतिहासिक महत्त्व क्या है ?

ख) नेहरू जी ने आम लोगों को 'भारत माता' की अवधारणा कैसे स्पष्ट की ?

खण्ड - घ

प्र.10 आपके छोटे भाई ने एक विद्यालय में एक माह पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए पत्र लिखिए । **(5)**

अथवा

आपकी कक्षा के छात्र 'पुस्तक मेला' देखने जाना चाहते हैं। इसकी अनुमति हेतु निवेदन करते हुए अपने विद्यालय के प्राचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

प्र.11 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए -** **(10)**

क) देश को खोखला करता आतंकवाद

- आतंकवाद का अर्थ व रूप
- आतंकवाद के कारण
- देश की वर्तमान स्थिति
- आतंकवाद से निपटने के उपाय
- उपसंहार

ख) अनेकता में एकता, हिंद की विशेषता

- भारत विभिन्न धर्मों, जातियों, भाषाओं का देश
- देशप्रेम की भावना एकता को बढ़ाती है
- मिल-जुलकर त्योहार मनाना
- एकता में बाधक असामाजिक तत्व
- एकता बनाए रखने के लिए कुछ सावधानियाँ

ग) यदि मैं प्रधानमंत्री होता

- ईश्वर की कृतियों में श्रेष्ठतम है मनुष्य
- देश के निर्माण में प्रधानमंत्री का योगदान
- मूल आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयास
- सामाजिक व राजनैतिक समस्याओं का समाधान
- देशहित व विश्वशांति की कामना